India – Wheat
गेंहू

S. Mazumdar.

प्र०- गेंहू के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए भारत के प्रमुख गेंहू उत्पादक क्षेत्रों का वर्णन करें।

उत्तर०- खाद्यान्न फसलों में गेंहू भारत में द्वितीय स्थान पर है। चावल के बाद गेंहू ही खाद्य फसल के रूप में भारत में सर्वाधिक उगाया जाता है। भारत में गेंहू का उत्पादन अति प्राचीन काल से होता आ रहा है। संसार में भारत गेंहू उत्पादन की दृष्टि से चीन व सं० रा० अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से पाँचवे स्थान पर है। भारत में चावल के विपरीत गेंहू रबी की शीतकालीन फसल है लेकिन देश के विभिन्न राज्यों में इसके बुआई तथा कटाई के समय अलग-अलग है। खाद्यान्न उत्पादन में लगी कुल भूमि के २२% पर गेंहू उगाया जाता है जबकि देश की कृषित भूमि का १४.५% भाग यह घेरे हुए है। 2000-01 में गेंहू का उत्पादन 697 लाख टन था जबकि 2008-09 में यह उत्पादन बढ़कर 776 लाख टन रहा। २०१० के अनुमान के अनुसार विश्व में भारत गेंहू का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

भौगोलिक दशाएँ :→

1) गेंहू बोते समय ठंडी जलवायु का होना आवश्यक है, जबकि फसल पककर तैयार होने में थोड़ा अधिक तापमान की आवश्यकता होती है।

2) गेंहू बोते समय तापमान 10°c, बढ़ते समय 15°c तथा पकते समय तापमान 25°c होना चाहिए।

3) इस फसल के लिए मिट्टी के बदले जलवायु का महत्व अधिक है।

4) गेंहू बोने से पहले भूमि में नमी की आवश्यकता होती है, पर अधिक वर्षा वाले स्थानों में इस फसल को नहीं बोया जाता है, इसके लिए 25-75 cm तक

वर्षा की आवश्यकता होती है।

5) फसल बोने के 15 दिन बाद तक तथा पकने के 15 दिन पहले तक पूर्वचक्रवातीय वर्षा गेंहू के फसल के लिए लाभदायक होती है,

6) इस फसल के लिए हल्की दोमट मिट्टी एवं चिकनी मिट्टी अच्छी मानी जाती है, काली मिट्टी भी इसके लिए उपयुक्त है, इस फसल के लिए मुख्यतः समतल भूमि की आवश्यकता है ताकि आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग किया जा सके,

7) फसल तैयार होते समय तापमान एकाएक बढ़ना एवं शुष्क पवन चलना हानिकारक होता है, इससे गेंहू के दाने पूरी तरह से परिपक्व नहीं हो पाते हैं,

भारतीय गेंहू की विशेषताँए/समस्याँए :→

1) भारत में गेंहू की खेती समशीतोष्ण तथा उष्ण दोनों कटिबंधो में होता है, लेकिन अधिक तापमान की वजह से दक्षिण में फसल जल्द ही पक जाती है,

2) तापमान के अचानक बढ़ने से एवं तेज हवा चलने से भी फसल जल्द पक जाती है जिससे गेंहू के दाने पूर्णतः विकसित एवं सुडौल नहीं बन पाते,

3) मार्च के महीने में तापमान के एकाएक बढ़ना भी फसल को जल्द पका देती है जिससे घटिया किस्म के गेंहू का उत्पादन होता है,

4) भारत के अधिकाँश जगह शीतकालीन गेंहू उपजती हैं लेकिन शीतकाल में कम वर्षा के कारण उपज कम होती है,

5) भारत में गेंहू की उपज सिंचाई पर निर्भर है जहाँ सिंचाई की अच्छी सुविधा है, वहाँ प्रति हैक्टेयर उत्पादन अधिक होती है।

6) शीतकालीन तुषार या ओलावृष्टि गेंहू के फसल के लिए हानिकारक है। साथ ही गेरूई, रतुआ, हरदा जैसी बिमारियाँ भी गेंहू उत्पादन को प्रभावित करती है।

गेंहू की प्रति हैक्टेयर उपज :-

भारत की हरित क्रान्ति वास्तव में गेंहू उत्पादन की ही क्रान्ति है, जिसमें सघन खेती, उन्नत बीजों के प्रयोग से देश में गेंहू का प्रति हैक्टेयर उत्पादन बढ़ गया, पिछले 30 वर्षों में लगभग 1176 कि०ग्रा० प्रति हैक्टेयर की वृद्धि देखी जाती है, पंजाब में प्रति हैक्टेयर उत्पादन का औसत 3020 कि० ग्रा० पहुँच गया, जबकि पंजाब हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश को छोड़कर देश में प्रति हैक्टेयर उत्पादन का औसत सिर्फ 1380 कि० ग्रा० होता है।

उत्पादन क्षेत्र :-

भारत में गेंहू का उत्पादन क्षेत्र 1950-51 में सिर्फ 97.40 लाख हैक्टेयर भूमि था जो बढ़कर 1980-81 से 2010 तक में 223 लाख हैक्टेयर से 278 लाख हैक्टेयर तक हो गया, उत्पादन 363 लाख टन से बढ़कर 806 लाख टन भी हो गया, भारत में गेंहू के प्रति हैक्टेयर उत्पादन बढ़ाने की अपार संभावनाएं भी है।

भारत में गेंहू का उत्पादन अपेक्षाकृत शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में किया जाता है एवं 100 cm. वर्षा वाले क्षेत्र में उत्पादन बहुत कम है, आज भी देश के पुराने उत्पादन क्षेत्र यथा पंजाब, हरियाणा तथा उत्तरप्रदेश गेंहू उत्पादन में अपना प्रमुख जमाएँ हुए है, आज भी

देश के लगभग 70 प्रतिशत गेंहू उत्पादन यही क्षेत्र करता है। इन क्षेत्रों के अलावा देश के अन्य क्षेत्रों में कुछ निम्न समस्याओं का समाधान हो जाएं तो वे भी देश के अग्रणी गेंहू उत्पादन राज्य बन सकते हैं, यहँ की समस्याएँ हैं - उन्नत बीजों का कम प्रयोग, सिंचाई सुविधाओं की कमी, उर्वरकों का कम प्रयोग,

भारत के प्रमुख गेंहू उत्पादक क्षेत्र सतलज यमुना विभाजक तथा उपरी गंगा मैदान में ही है।

1) उत्तर प्रदेश → इस राज्य के कुल कृषि भूमि के 32% क्षेत्र पर गेंहू बोया जाता है, यहाँ प्रति हैक्टेयर उत्पादन 2510 कि० ग्रा० है, यह प्रदेश देश के कुल गेंहू उत्पादन का 32.68% उत्पादित करता है यहाँ गंगा यमुना दोआब तथा गंगा घाघरा क्षेत्र गेंहू उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। इस राज्य में पहाड़ी एवं पठारी भागों को छोड़कर सभी जगह इसकी खेती की जाती है, पश्चिमी उ० प्रदेश में सिंचाई की सुविधा अच्छा होने से गेंहू का उत्पादन भी अच्छा है, यहाँ के प्रमुख उत्पादक जिले हैं - मेरठ, बुलन्दशहर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद सहारनपुर, इटावा, कानपुर आगरा, बदायूँ, फतेहपुर इत्यादि।

2) पंजाब → इस राज्य में कुल कृषि भूमि के 12.5% हिस्से में गेंहू की खेती होती है, यहाँ गेंहू के कुल उत्पादन का 21% गेंहू उत्पादित होता है, भारत के हरित क्रान्ति का विशेष योगदान इस राज्य का ही है, यहाँ नहरों से सिचाँई की सुविधा, उर्वरा भूमि, शीत कालीन वर्षा तथा आधुनिक यंत्रो का प्रयोग यहँ प्रति हैक्टेयर उत्पादन को बढ़ाता है, यहाँ के प्रमुख उत्पादक जिले हैं अमृतसर, लुधियाना, पटियाला, जालन्धर भटिंडा, फिरोजपुर, संगरूर, गुरदासपुर, कपुरथलाइत्यादि है।

3) हरियाणा → इस राज्य की कुल कृषि भूमि के

6·17% भाग पर गेंहू की खेती की जाती है, यहाँ प्रति हैक्टेयर उत्पादन 4100 कि०ग्रा० होता है, इस राज्य के द० पू० जिलों के जलवायु शुष्क है लेकिन नहरों के विकास से वहाँ गेंहू उत्पादन क्षेत्र बढ़ाया गया है, देश में यह तीसरा प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है, यहाँ के प्रमुख उत्पादक जिले हैं – रोहतक, हिसार, गुड़गाँव, करनाल, जिन्द अम्बाला इत्यादि।

4) मध्यप्रदेश ⟶ इस राज्य के कुल कृषि भूमि के 17·7% क्षेत्र पर गेंहू उगाया जाता है, यह देश का 12% गेंहू उत्पादन करता है, यहाँ प्रति हैक्टेयर उत्पादन 2600 कि०ग्रा० है, भूमि का कम उर्वरा होना एवं सिंचाई साधनों का अभाव यहाँ उत्पादन को प्रभावित करता है। फिर भी यह देश का पाचंवा गेंहू उत्पादक राज्य है।

5) बिहार ⟶ यह राज्य देश के कुल गेंहू क्षेत्र का 8·7% एवं कुल उत्पादन 6·1% करता है, यहाँ रोहतास सारण, भोजपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण सिवान एवं बेगुसराय इत्यादि प्रमुख गेंहू उत्पादक जिले हैं।

6) अन्य क्षेत्र ⟶ उपरोक्त के अलावा भारत में गेंहू उत्पादक अन्य क्षेत्रों में राजस्थान महत्वपूर्ण स्थान रखता है, वर्षा की कमी, मरुस्थलीय विस्तार के बावजूद इन्दिरा गाँधी नहर द्वारा सिंचाई सुविधा प्राप्त होने से यहाँ गेंहू की खेती को बढ़ावा मिला है। प्रमुख उत्पादक जिले हैं – अलवर, कोटा भरतपुर, चित्तौड़गढ़, जयपुर साध्योपुर, उदयपुर, पाली इत्यादि।

इसके अलावा प० भारत में महाराष्ट्र एवं गुजरात में लावा मिट्टी प्रदेश, तमिलनाडु के मदुरई भी उल्लेखनीय गेंहू उत्पादक क्षेत्र है, अब पश्चिमबंगाल कर्नाटक, जम्मुकश्मीर, हिमाचल प्रदेश में भी गेंहू उत्पादन काफी महत्वपूर्ण हो गया है।

उत्पादन एवं व्यापार -

भारत में प्रति हैक्टेयर गेंहू का उत्पादन बढ़ाकर, हमारा देश गेंहू उत्पादन में आत्म निर्भर हो गया है पंजाब हरियाणा गेंहू का हृदय प्रदेश (Heart Land) कहलाता है।

भारत में गेंहू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार उत्तम बीज, अच्छी खाद, सिंचाई व्यवस्था, आधुनिक यंत्र इत्यादि की उपलब्धता कराई है। 1977 से पूर्व भारत गेंहू का आयात करता है। लेकिन आज भारत में खाद्य भंडार सुरक्षित होने के साथ ही यह कुछ देशों को गेंहू का निर्यात भी करता है। भारत, कोरिया सोवियत संघ, बांग्लादेश, अफगानिस्तान इत्यादि को गेंहू निर्यात करता है।

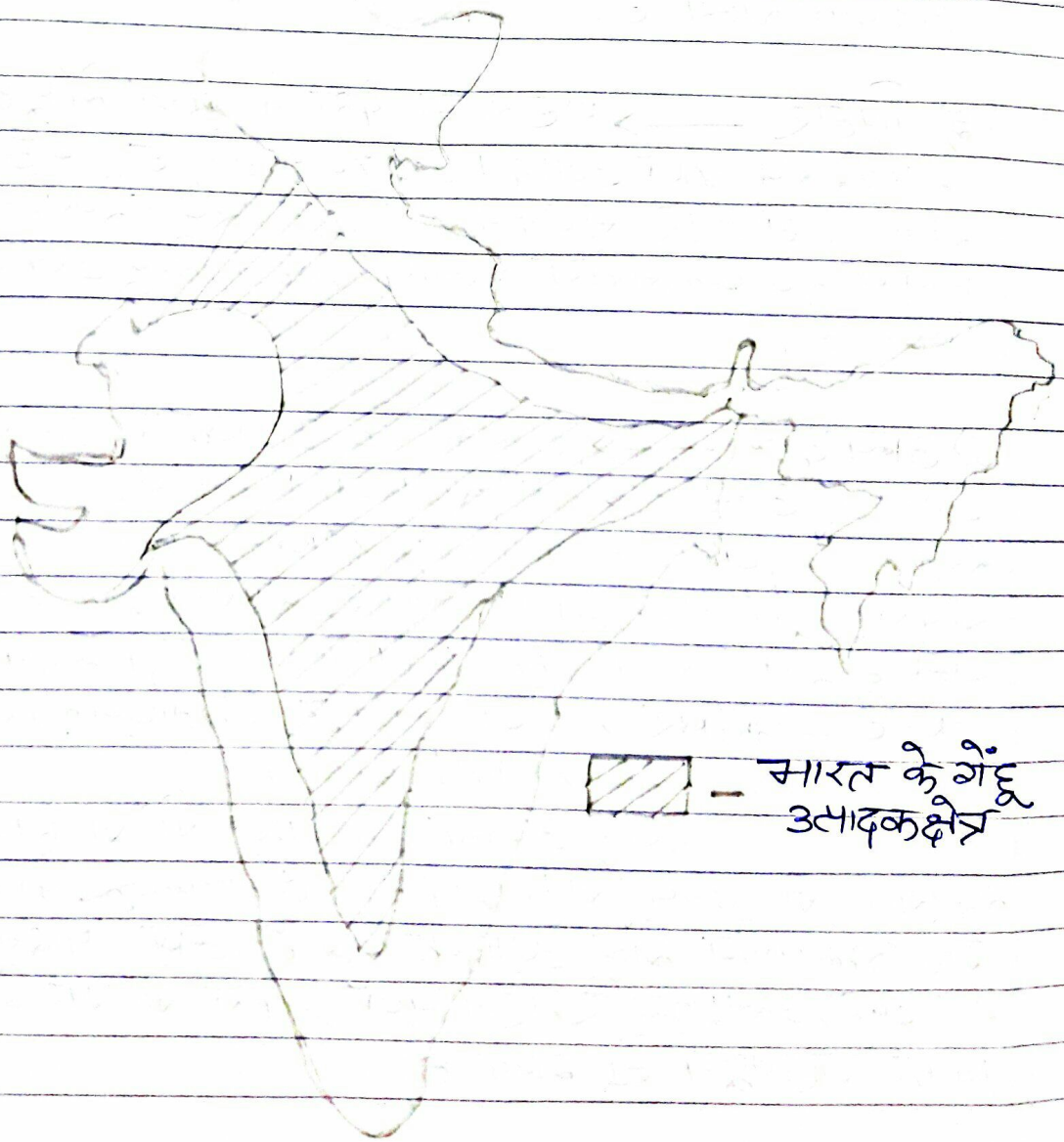

—x—